प्रस्तावना

दी हंस फाउण्डेशन एक परोपकारी ट्रस्ट है, जिसका उद्देश्य सारे भारत में बेहतर जीवन स्तर का सृजन करना और सभी व्यक्तियों को लिंग, आयु, जाति तथा आर्थिक स्थिति के भेदभाव के बिना बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा हासिल करने में सहायता प्रदान करना है।

दी हंस फाउण्डेशन की स्थापना भारत भर में परोपकारी कार्यों हेतु धन प्रदान करने के लिए की गई है। संगठन का उद्देश्य इस प्रकार का वातावरण बनाना है जहां लोगों को ऐसी सेवाएं उपलब्ध हों जो जीवन के स्तर को सुधारें।

इसका लक्ष्य भारत भर में शिक्षा, स्वास्थ्य, शारीरिक एवं मानसिक विकलांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों तथा विकास परियोजनाओं को धन और अनुदान प्रदान करना है।

हमारे उद्देश्य में शामिल हैः—

- सभी बच्चों के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण एवं लाभ से वंचित समुदायों में, शिक्षा की प्रगति।
- स्वास्थ्य सुविधाओं और संबंधित सेवाओं के जरूरतमंदों के लिए भेदभाव के बिना सुविधाओं की प्राप्ति तथा
- विशेष जरूरतदों (मानसिक एवं शारीरिक रूप से विकलांगों) तथा बुजुर्गों की अपेक्षाओं के लिए संसाधनों का विशेष प्रावधान।

विकास के इन प्रमुख क्षेत्रों में पहले से संलग्न व्यक्तियों तथा संगठनों के प्रयासों की हम सराहना करते हैं। एक वित्तपोषण संस्था के रूप में, हम दी हंस फाउण्डेशन के उद्देश्यों में शामिल क्षेत्रों में किए गए कार्य के लिए परियोजना विशेष वित्तपोषण तथा अनुदान उपलब्ध कराएंगे।

प्रस्तावित दिशा—निर्देश

टीएचएफ परोपकार दान नीति

दी हंस फाउण्डेशन एक परोपकारी ट्रस्ट निधि है, जिसका उद्देश्य सारे भारत में बेहतर जीवन स्तर का सृजन करना और सभी व्यक्तियों को लिंग, आयु, जाति तथा आर्थिक स्थिति के भेदभाव के बिना बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा हासिल करने में सहायता प्रदान करना है।

हमारे मुख्य वित्तपोषण क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य तथा शारीरिक एवं मानसिक विकलांगता हैं। हमारे उद्देश्य में शामिल हैः— सभी बच्चों के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण एवं लाभ से वंचित समुदायों में शिक्षा की प्रगति; स्वास्थ्य सुविधाओं और संबंधित सेवाओं के जरूरतमंदों के लिए भेदभाव के बिना सुविधाओं की प्राप्ति तथा विशेष जरूरतदो (मानसिक एवं शारीरिक रूप से विकलांगों) तथा बुजुर्गों की अपेक्षाओं के लिए संसाधनों का विशेष प्रावधान। इसका मतलब यह नहीं है कि हम इन क्षेत्रों के बाहर काम कर रहे व्यक्तियों और समूहों के बारे में विचार करने के इच्छुक नहीं है, बशर्ते वे हमारे उद्देश्य में शामिल हों।

फाउण्डेशन मुख्य रूप से मान्यता प्राप्त पंजीकृत परोपकारी संगठनों को अनुदान देता है।

हम कार्यक्रम सहयोग (कार्यक्रम विकास से प्रारंभिक पूंजी, सम्मेलनों, पाठ्यक्रम विकास तक की गतिविधियों सहित) तथा पूंजी सहयोग (भवन एवं जीर्णोद्धार, उपकरण तथा टैक्नोलॉजी सहित) के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। फाउण्डेशन सामान्य तथा अपरिमित सहयोग (जैसे कि प्रचालन लागतों) हेतु धन प्रदान नहीं करता।

आम तौर पर हमारे अनुदान का आकार 50,000 रुपए से 5 लाख रुपए तक है, तथापि परियोजना के आधार पर यह राशियाँ समायोजित करने का अधिकार हमारे पास सुरक्षित है।

इच्छुक समूहों को धन की स्वीकृति तथा राशियों के अंतरण से पूर्व परियोजना प्रस्ताव भेजने होते हैं। सभी अनुदान अनुरोधों की समीक्षा की जाती है और परियोजना के औचित्य और इसके घटकों के आधार पर चयन किया जाता है। ये प्रस्ताव वर्ष में दो बार हमारे ट्रस्टियों के पास उनकी स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं। हम ऐसे भागीदारों का चयन करते हैं जो कार्यों और परियोजनाओं की उन्नत नवीन पद्धतियों का प्रयोग कर रहे हैं, जो कार्य उन्मुख एवं पथ–प्रदर्शक हों।

हमारे अंतिम निर्णय की सूचना समयबद्ध तरीके से दी जाएगी और दिए जाने वाले अनुदान के प्रबंध हेतु एक कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।

अनुदान के नियम एवं शर्तें:

अनुदान लाभार्थियों को फाउण्डेशन को एक अंतरिम रिपोर्ट और एक अंतिम रिपोर्ट उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिसमें धनराशि के प्रयोग करने के तरीके का वित्तीय लेखा, परियोजना की किसी उपलब्धि का विवरण एवं परियोजना की किसी मीडिया कवरेज की प्रतियां हों। फाउण्डेशन संगठन तथा परियोजना का यथासंभव दौरा करने के अधिकार का अनुरोध भी करता है।

फाउण्डेशन से अनुदान हेतु कैसे आवेदन करें

फाउण्डेशन से अनुदान प्राप्त करने के इच्छुक भारतीय पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों को संक्षिप्त विवरण सहित एक आरंभिक प्रार्थना पत्र जिसमें निम्नलिखित विवरण शामिल हों, प्रस्तुत करना होगाः–

1. संगठन का इतिहास
2. उद्देश्य एवं लक्ष्य
3. वर्तमान कार्यक्रमों एवं पिछली उपलब्धियों का विवरण
4. आशय का संक्षिप्त विवरण

आशय के विवरण के साथ विशिष्ट परियोजना के लक्ष्यों, कार्यों, समय–सीमा सहित एक विस्तृत परियोजना प्रस्ताव भी भेजा जाना चाहिए, जिसमें निम्न तथ्य शामिल होंः–

प्रयोजन

आप यह कार्य क्यों कर रहे हैं?
इस परियोजना के अपेक्षित अंतिम परिणाम का वर्णन करें।

उद्देश्य

क्या विशिष्ट परिणाम प्राप्त होंगे?
आप इन परिणामों को किस तरह मापेंगे?

कार्यक्षेत्र

इस परियोजना की सीमाएं क्या हैं (उदाहरण के लिए– कार्य का प्रकार, ग्राहक का प्रकार, समस्या का प्रकार, शामिल भौगोलिक क्षेत्र)?

उत्पाद

परियोजना से परिणाम के तौर पर क्या मिलेगा?
जहां आपको देना होगा– उत्पादों की रिपोर्ट या सेवाओं का विवरण तथा प्रत्येक उत्पाद की संभावित तिथि भी शामिल करें।

बाधाएं

आपके विचार से आपके उत्पादों एवं कार्यक्रम को प्रभावित करने वाली चीजें क्या हैं? ये बाह्य घटक हैं, जिन पर आप नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन उनकी व्यवस्था कर सकते हैं।

पूर्वानुमान

परियोजना के आरम्भ में आपका क्या पूर्वानुमान है?

लागतें

लागतें तथा समय–सीमा क्या हैं?
परियोजना लागतों तथा संबंधित वित्तपोषण का एक बजट विवरण उपलब्ध कराएं।

यह प्रस्ताव वर्ष में दो बार हमारे ट्रस्टियों के पास उनकी स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किए जाते हैं। कृपया प्रस्ताव स्पष्ट तथा हमारे प्रारूप के अनुसार रखें। पूर्ण परियोजना प्रस्तावों हेतु अंतिम तिथि 15 जनवरी और 15 जुलाई है। हमारे अंतिम निर्णय की सूचना समयबद्ध तरीके से दी जाएगी और दिए जाने वाले अनुदान के प्रबंध हेतु एक कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।

कृपया सभी ई–मेल संवाद **info@thehansfoundation.org** को संबोधित करें। यह ई–मेल पता स्पैमबॉट्स से सुरक्षित है। इसे देखने के लिए आपको जावा स्क्रिप्ट को सक्रिय करना होगा, अथवा डाक द्वारा सी–4/9 (भूतल), वसंत विहार,, नई दिल्ली–110057, भारत को प्रेषित करें।